एयर-लॉन्च्ड अनमैन्ड एरियल व्हीकल

हाल ही में **भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका** द्वारा संयुक्त रूप से विकसित **एयर-लॉन्च्ड अनमैन्ड एरियल व्हीकल (ALUAV)** के एक प्रोटोटाइप का वर्ष 2023 में उड़ान परीक्षण किये जाने की संभावना है।

- **एयरो इंडिया 2023 में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने** एयर शो में **F-35 स्टील्थ विमान** **की संभावित भागीदारी का भी जिक्र किया।**

एयरो इंडिया 2023:

- 13 फरवरी को भारत के प्रधानमंत्री ने **एयरो इंडिया 2023** का उद्घाटन किया, जो भारत के **बंगलूरू में भारत वायु सेना स्टेशन** में पाँच दिवसीय कार्यक्रम है।
- इस वर्ष की थीम **'द रनवे टू ए बिलियन अपॉर्चुनिटी'** है और इसका फोकस एयरोस्पेस एवं रक्षा क्षमताओं में भारत की वृद्धि को प्रदर्शित करने पर है।
- एयरो इंडिया 2023 **'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड'** विज़न के अनुरूप **स्वदेशी उपकरणों/प्रौद्योगिकियों** का प्रदर्शन और विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी करेगा।
- एयरो इंडिया के प्रमुख प्रदर्शकों में **एयरबस, बोइंग, डसॉल्ट एविएशन, लॉकहीड मार्टिन, इज़रायल एयरोस्पेस इंडस्ट्री, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, SAAB, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL)** आदि शामिल हैं।

ALUAV परियोजना:

- वर्ष 2021 में भारतीय रक्षा मंत्रालय और अमेरिकी रक्षा विभाग ने **रक्षा प्रौद्योगिकी और व्यापार पहल (DTTI)** में संयुक्त कार्य समूह वायु प्रणाली के तहत ALUAV के लिये एक परियोजना समझौते पर हस्ताक्षर किये।
- ALUAV को एक विमान, विशेष रूप से **C130J विमान** से लॉन्च करने के लिये विकसित किया जा रहा है।
- **बंगलूरू स्थित वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (ADE)** और **अमेरिकी वायु सेना अनुसंधान प्रयोगशाला में स्थापित एयरोस्पेस सिस्टम निदेशालय** परियोजना में शामिल प्रमुख संगठन हैं।
    - परियोजना समझौते में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण भी शामिल है, जिसे भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में एक महत्त्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।
- भारत और अमेरिका एक मुक्त एवं खुले, समृद्ध, कनेक्टिव तथा लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिये विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ काम कर रहे हैं जिससे लोकतंत्र संवर्द्धित होगा।

एयर-लॉन्च्ड अनमैन्ड एरियल व्हीकल (ALUAV):

- **ALUAV** एक प्रकार का **ड्रोन या मानव रहित हवाई वाहन (Unmanned Aerial Vehicle- UAV) है जो आमतौर पर एक सैन्य परिवहन विमान** है और इसे विमान से लॉन्च किया जाता है।
- ALUAV को सेना को **हवाई टोही, निगरानी और खुफिया जानकारी एकत्र करने की क्षमता प्रदान करने हेतु डिज़ाइन किया गया है।**
- ALUAV सामान्यतः **उन्नत संवेदक और संचार उपकरणों से लैस है एवं उच्च ऊँचाई के साथ विस्तारित अवधि** हेतु काम कर सकता है।

रक्षा व्यापार और प्रौद्योगिकी पहल (Defence Trade and Technology Initiative-DTTI):

- **परिचय**:
    - DTTI **भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच एक द्विपक्षीय कार्यक्रम है** जिसका उद्देश्य सैन्य प्रौद्योगिकी विकास एवं व्यापार में सहयोग के माध्यम से अपने रक्षा संबंधों को मज़बूत करना है।

- **यह पहल वर्ष 2012 में शुरू की गई थी** तथा इसे **रक्षा निर्माण, अनुसंधान और विकास एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में सहयोग की सुविधा हेतु डिज़ाइन किया गया है।**
- इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच मज़बूत रक्षा साझेदारी स्थापित कर**सैन्य बलों की अंतर-क्षमता और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देना है।**

- **परियोजनाएँ**: DTTI के तहत परियोजनाओं की पहचान निकट, मध्यम और दीर्घकालिक परियोजनाओं के रूप में की गई है।
  - अब तक शामिल निकट अवधि की परियोजनाओं में **एयर-लॉन्च स्मॉल अनमैन्ड सिस्टम्स**, **लाइटवेट स्मॉल आर्म्स टेक्नोलॉजी** और **इंटेलिजेंस-सर्वलिांस-टारगेटिंग एंड रिकोनिसेंस (ISTAR)** प्रणाली शामिल हैं।
  - मध्यम अवधि की परियोजनाओं की पहचान **समुद्री डोमेन जागरूकता समाधान** और **विमान रखरखाव या VAMRAM** के लिये **आभासी संवर्द्धित मिश्रित वास्तविकता (Virtual Augmented Mixed Reality)** है।
  - भारतीय सेना के लिये दो दीर्घकालिक परियोजनाएँ- **टेरेन शेपिंग ऑब्सटेकल** (घातक युद्ध सामग्री) तथा **काउंटर-यूएएस**, **रॉकेट, आर्टिलरी और मोर्टार (CURAM)** प्रणाली नामक **ड्रोन-रोधी तकनीक** हैं।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/air-launched-unmanned-aerial-vehicle-1